सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCdLl90UP-prqTinNwqLlX7g/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 1 | अंक 8 | अजमेर, मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

चुनावी रथ में ही क्यों सवार होती हैं जन-हित योजनाएं

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा एवं पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की आहट अब साफसाफसुनाई दे रही है राज्यों में चुनावी सरगर्मियां उग्र हो चुकी है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ने लगे हैं। जिन पांच राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें राजस्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बहुत पहले ही विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है वे हर दिन किसी न किसी लुभावनी एवं जनकल्याणकारी योजना की घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा सहित विभिन्न योजनाओं की तरह अब उन्होंने प्रदेश के 240 राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित करने का ऐलान किया किया है। निश्चित ही एक आदर्श राज्य के रूप में गहलोत की योजनाओं की देशभर में चर्चा हो रही है लेकिन क्या इन योजनाओं के बल पर वे पुनः सत्ता प्राप्त करने में सफल हो पायेंगे। असल में गहलोत का मुकाबला इस बार सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से होने जा रहा है। लोकलुभावन घोषणा एवं मुक्त की रेवड़ियां राजस्थान की तरह ही मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह चौहान भी बांट रहे हैं अभी तो इनके बल पर चुनाव जीते जा सकते हैं लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी.चोटी का जोर लगाना पड़ेगा क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति दे पाएंगी इसमें संदेह है। जैसी गारंटियां लोकलुभावन वादे एवं मुक्त की रेवड़ियां देने की परम्परा दक्षिण से शुरु हुई थी वैसी ही अब देश के अन्य प्रांतों में वहां की सरकारें कर रही हैं। अभी हाल में दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी ने दस गारंटियां दी थीं। ये गारंटियां और कुछ नहीं लोकलुभावन वादे ही थे जिन्हें जनकल्याण का नाम दिया गया है। मध्य प्रदेश में मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से छह महीने पहले ही लोक कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा रखी है जिससे राज्य का चुनावी माहौल और गर्मा रहा है। निश्चित ही राजस्थान में लोकलुभावनी योजनाओं का जनता को लाभ मिला है राजस्थान का कायाकल्प भी हुआ। गहलोत अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण पारी खेलते हुए एक कद्दावर नेता के रूप में सामने आ रहे हैं। लेकिन मतदाता के मन में ये योजनाएं हैं या और कुछ यह वक्त ही बतायेगा। लेकिन एक बात बहुत स्पष्ट है कि मतदाता अब ज्यादा जागरूक हुआ है तो गहलोत भी ज्यादा सर्तक, समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले.सफेद मोहरें बिछाने शुरु कर दिये हैं उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा प्रदेश की लगभग आठ करोड़ जनता को आजादी के अमृतकाल में। सभी नंगे खड़े हैं मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। सभी इस एक दिन के राजा को लुभाने में जुटे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है।गहलोत प्रखर नेता के रूप में न केवल भीतर संघर्ष कर रहे हैं बल्कि भाजपा को चुनौती देने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दूरगामी सोच एवं राजनीतिक कौशल से अनेक प्रभावी योजनाओं को लागू किया है। आज राजस्थान एक आदर्श राज्य के रूप में उभरा है या नहीं यह देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में से एक है भी या नहीं है यह विश्लेषण के विषय हैं। आज देश में राजस्थान की चर्चा सबसे अच्छी सड़कों सबसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं सबसे अधिक विश्वविद्यालयों व सबसे आगे बढ़ने वाले राज्य से अधिक गहलोत की योजनाओं के रूप में हो रही है और यह सब योजनाएं चुनावी रथ पर सवाल होकर जीत को सुनिश्चित करने की चेष्ठा है।लेकिन गहलोत की ताजा शिक्षा योजना यदि चुनाव से न जुड़ी होती तो इस एक योजना से वे अनुकरणीय एवं आदर्श राजनेता बनकर उभरते प्रश्न है कि ऐसी योजनाएं चुनाव के समय ही क्यों लागू की जाती है। निश्चित ही एक सराहनीय शुरूआत गहलोत ने की है वह देश की सभी राज्य सरकारों के लिए नजीर बन सकती है।

फिर से जीतेगा राजस्थान -अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद दावा करते हुए कहा है कि चुनाव का बिगुल बजा, शुरू संग्राम फिर से जीतेगा राजस्थान। गहलोत ने सोशल मीडिया पर प्रदेशवासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि चुनाव की घोषणा हो चुकी है। आपके आशीर्वाद से हमें पांच वर्ष जनसेवा का मौका मिला। आपके सहयोग से अपने कार्यकाल में हमने सारे काम दिल से किए है। बचत, राहत, बढ़त की ऐतिहासिक जनहितैषी योजनाओं को लागू कर हर ढ़ाणी तक मुस्कान बिखेरने की पूरे मन से कोशिश की। जिससे राजस्थान चार गुना रफ्तार से आगे बढ रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमारा उद्देश्य राजस्थान मिशन 2030 के तहत नम्बर एक राजस्थान के संकल्प को साकार करना है। अतरू हमारा निवेदन है कि हम सभी पूरे मन से राजस्थान को अव्वल बनाने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि काम किया है दिल से कांग्रेस फिर से।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

भाजपा के 41 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी, 7 सांसदों को उतारा

केकड़ी से शत्रुघन गौतम, किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी

जयपुर। राजस्थान में आगामी 23 नवंबर को होने वाले आम विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने 41 उम्मीदवारों के नामों की 9 अक्टूबर को घोषणा कर दी जिसमें सात मौजूदा सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा है।भाजपा सूची के अनुसार जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारा है उनमें जयपुर के झोंटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं विद्याधरनगर से दिया कुमारी, सवाईमाधोपुर से डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, मंडावा से नरेंद्र कुमार तिजारा से बाबा बालकनाथ, किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी एवं सांचौर से देवजी पटेल शामिल है।

भाजपा की इस पहली सूची में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया को सीकर जिले में लक्ष्मणगढ़ सीट से चुनाव मैदान में उतारा हैं जबकि जयपुर जिले की बस्सी अजजा. सीट पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चन्द्रमोहन मीणा को मौका दिया गया है।भाजपा ने पहली सूची में जिन प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की उनमें शेष उम्मीदवारों में गंगानगर से जयदीप बिहाणी, भादरा से संजीव बेनीवाल, डूंगरगढ़ से ताराचंद सारस्वत, सुजानगढ़ अजा. से संतोष मेघवाल, झुंझुनूं से बबलू चौधरी, नवलगढ़. विक्रम सिंह जाखल, उदयपुरवाटी. शुभकरण चौधरी, फ्तेहपुर से श्रवण चौधरी, दांतारामगढ़ से गजानंद कुमावत, कोटपूतली से हंसराज पटेल गुर्जर दूदू अजा. से डॉ. प्रेम चंद बैरवा एवं बानसूर.देवी सिंह शेखावत शामिल हैं।इस तरह अलवर ग्रामीण अजा से जयराम जाटव, नगर से जवाहर सिंह बेडम, वैर अजा से बहादुर सिंह कोली, हिण्डौन अजा. से राजकुमारी जाटव, सपोटरा अजजा. से हंसराज मीणा, बांदीकुई से भागचंद डाकरा, लालसोट अजजा. से रामबिलास मीणा, बामनवास अजजा. से राजेंद्र मीणा, देवलीउनियारा से विजय बैंसला, केकड़ी से शत्रुघन गौतम एवं बिलाडा अजा. से अर्जुनलाल गर्ग को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है।

इसके अलावा बायतू से बालाराम मूंढ, खेरवाड़ा ;अजजा से नानालाल आहरी, डूंगरपुर अजजा. से बंसीलाल कटारा, सागवाडा अजजा से शंकर डेचा, चौरासी अजजा से सुशील कटारा, बागीदौरा अजजा. से कृष्णा कटारा, कुशलगढ़ अजजा. से भीमाभाई डामोर, माण्डल से उदयलाल भडाणा एवं सहाडा से लादूलाल पितलिया को टिकट दिया गया है।

Assembly Elections 2023 : EC announces poll dates

The Election Commission of India (ECI) on Monday announced the schedule for holding assembly elections in five states, including Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Rajasthan, Telangana and Mizoram. The election in Chhattisgarh will be held in two phases – the first stage of voting will be held on November 7. The second phase will be held on November 17. The legislative election in Madhya Pradesh will be held on November 17. The voting in Mizoram will be on November 7, while Rajasthan will go to polls on November 23 and Telangana on November 30 in a single phase.The counting of votes in all five states will be held on December 3, Chief Election Commissioner (CEC) Rajiv Kumar announced at a press conference. These were the last set of assembly elections ahead of the 2024 Lok Sabha polls.The Model Code of Conduct has come into force with the announcement of poll dates. The elections to five states are crucial as they are being held months before the Lok Sabha elections in April-May next year.The term of the Mizoram assembly ends on December 17. The Mizo National Front is in power in the northeastern state. The terms of the legislative assemblies of Telangana, Rajasthan, Chhattisgarh and Rajasthan end on different dates in January next year.While the Bharat Rashtra Samithi (BRS) rules Telangana, Madhya Pradesh is ruled by the Bharatiya Janata Party.

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए 23 नवंबर को मतदान

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव-2023 की घोषणा कर दी। प्रदेश की सभी 200 सीटों के लिए आगामी 23 नवबंर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में पांच करोड़ 27 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। चुनाव घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई।

गुप्ता ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही प्रदेश में स्थानान्तरण एवं नियुक्तियों पर रोक लग गई है। अति आवश्यक होने पर राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से मंजूरी लेने के बाद ही चुनाव से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानान्तरित कर सकेगी।

उन्होंने बताया कि 200 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया के तहत 30 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन दाखिल करने का काम शुरू हो जाएगा। राज्य में छह नवबंर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। सात नवबंर को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा नौ नवम्बर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि 23 नवंबर को मतदान होगा तथा तीन दिसम्बर को मतगणना कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में 34 अनुसूचित जातिए 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं वहीं 141 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। विधानसभा चुनाव में सभी दो सौ सीटों पर केन्द्रीय पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया तथा उम्मीदवारों के खर्चे पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव के कानून एवं व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि सरकारी वाहनों, हेलीकॉप्टर एवं विमान के चुनाव कार्यों में उपयोग पर भी रोक रहेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकाशन सामग्री यथा पोस्टर, पैंफ्लेट आदि पर प्रकाशक और मुद्रक का नाम आवश्यक रूप से प्रकाशित करना होगा। ऐसा नहीं करने वाले प्रिंटिंग प्रेस स्वामियों पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 क के तहत कार्यवाही की जाएगी।

भीलवाड़ा में 1000 किलो के तवे पर तैयार की 151 किलो आटे की रोटी

भीलवाड़ा। विश्व की सबसे बड़ी रोटी बनाने का रिकॉर्ड तोडऩे के लिए 8 अक्टूबर रविवार को भीलवाड़ा के हरिशेवा धाम में एक हजार किलों के तवे पर 151 किलों आटे की रोटी कई प्रदेशों के कारीगरों ने मिलकर तैयार की। दो घंटे के अंतराल में आंटा गूंथा गया और स्टील के पाइप से रोटी बेली गई। एक हजार किलों कोयले की आंच पर इस रोटी को चार घंटे से अधिक समय तक सेंका गया। वर्ल्ड रिकॉर्ड बनता देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी जुटे और संत महात्मा भी इस रोटी का बाद प्रसाद तैयार किया गया और उसे पचकुटे की सब्जी के साथ लोगों को वितरित किया गया।

वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए लाइव रिकॉर्डिंग की गई और गिनिज बुक में रिकॉर्ड दर्ज करने के लिए आवेदन किया जाएगा। अब इसकी जांच के बाद इस रोटी के नाम विश्व की सबसे बड़ी रोटी के रूप में दर्ज हो जाएगा।राजस्थानी जनमंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि हरिशेवा धाम में महामंडलेश्वर हंसाराम उदासीन के सानिध्य में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ साधु संतों ने की भट्टी में अग्नि प्रज्जवलित की। इस दौरान विश्व की सबसे बड़ी रोटी बनाने का विश्व कीर्तिमान देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी भी हरिशेवा धाम पहुंचे। हरिशेवा धाम परिसर में बनाई गई विशाल भट्टी पर रोटी बेलने के लिए 20 फीट के स्टील पाईप के बैलन का प्रयोग किया गया। रोटी का वजन 151 किलो और व्यास 113.11 फीट रहा तथा इसमें 15 किलो घी का उपयोग किया गया।

सोनी ने बताया कि विश्व की सबसे बड़ी रोटी बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए हरी सेवा आश्रम परिसर में रविवार को प्रयास किया गया। इस विशालकाय रोटी को 2000 ईटो पर मिट्टी का लेप लगाए 1000 किलो कोयला द्वारा भट्टी को जलाया गया एवं राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र के 21 हलवाई की टीम द्वारा 4 घंटे की सिकाई के बाद यह विशालकाय रोटी तैयार की।

सोनी ने बताया कि रोटी को ऊपर से सेकने के लिए रोटी के ऊपर भी तवा लगाकर सिकाई गई। कार्यक्रम की लाइव रिकॉर्डिंग भी की गई तथा इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को बनाने के लिए लिम्का बुक का रिकॉर्ड इंटरनेशनल बुक का रिकॉर्ड मे भी आवेदन किया गया था।निर्माण के बाद पंचकुटा की सब्जी को प्रसाद के रूप में रोटी के साथ आमजन मे वितरित किया। विदित रहे की गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में वर्ल्ड रिकॉर्ड वर्ष 2012 में बना था जिसमें विश्व की सबसे बड़ी रोटी का निर्माण किया गया जिसका वजन 145 किलो था इस रोटी का व्यास 10 फिट्ट गुणा 10 फिट्ट का था।अब इस विश्व रिकार्ड को तोडऩे एवं नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने की कवायद के तहत 151 किलो वजनी रोटी बनाई गई जिसका व्यास 11 गुणा 11 फीट तथा इसकी मोटाई लगभग 70 एम एम की रही। इसको बनाने के लिए एक विशेष प्रकार का विशालकाय तवा तैयार किया गया।जिसकी लंबाई चौड़ाई 16 फीट 12 फीट ओर इसका वजन 1000 किलो था।

राजस्थान में होगा जाति आधारित सर्वेक्षण, आदेश जारी

जयपुर। राजस्थान सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने इस सम्बंध में आदेश जारी किया है। सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आकंड़े एकत्रित किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछड़ेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी। इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

इसके लिए सर्वेक्षण कार्य आयोजना ;आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग नोडल विभाग होगा। साथ ही सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे। कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी। इसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़ें ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। इसके लिए सूचनाए प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप बनाया जाएगा। सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

अमित गर्ग को इंटरनेशनल एनर्जी ऑफवर्ड्स मीडिया अवॉर्ड

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार अमित बैजनाथ गर्ग को द ग्लोबल एनर्जी एसोसिएशन रूस की ओर से इंटरनेशनल एनर्जी ऑफवर्ड्स मीडिया अवॉर्ड के लिए चुना गया है। अमित को यह अवॉर्ड द बेस्ट पीस ऑन एनर्जी ओरिजनेटेड फ्रॉम एब्रॉड कैटेगरी में दिया जाएगा। अमित की प्रविष्टि एनर्जी एफिशिएंसी मेजर्स मस्ट बी मेंडेटरी को इस कैटेगरी में तीसरे स्थान के लिए चुना गया है। अवॉर्ड के लिए 24 देशों से कुल 262 प्रविष्टियां आई थीं जिनमें आठ कैटेगरी में कुल 48 विजेताओं का चयन किया गया है।सम्मान समारोह 11 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को के सेंट्रल एग्जीबिशन हॉल मानेज में आयोजित होगा। अमित इससे पहले भी कई नेशनल मीडिया फेलोशिप और अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं।

हमारे साथ जनता भी चुनाव का कर रही थी इंतजार - सीपी जोशी

विजय कुलश्रेष्ठ

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस सरकार द्वारा की गई घोषणाओं को आडम्बर करार देते हुए कहा है कि चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने के बाद मुफ्त घोषणाओं के नाम पर प्रदेश में चलाया जा रहा आंडबर भी समाप्त हो जाएगा।जोशी ने सोमवार को विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान होने के बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे साथ प्रदेश की जनता भी चुनाव का इंतजार कर रही थी। बीते पांच साल के कालखंड को प्रदेश की जनता कभी नहीं भूल सकती क्योंकि जनता ने एक-एक दिन गिनकर निकाला इस कदर लोग त्रस्त हो गए थे।

आदर्श आचार संहिता लगने के बाद आज से मुफ्त घोषणाओं के नाम पर प्रदेश में चलाया जा रहा आंडबर भी समाप्त हो जाएगा।उन्होंने दावा करते हुए कहा कि जनता ने राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनाने का पूरा मन बना लिया है। प्रदेश कांग्रेस सरकार ने विजन 2030 के नाम पर जनता से सुझाव मांगे थे जिसके जवाब में जनता ने गहलोत सरकार से कहा कि आप अब आराम कीजीए जनता ने भाजपा को चुनने का मन बना लिया है।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि गत चार महीने में डिजाइन बॉक्स के मालिक नरेश अरोड़ा के निर्देशन में जो दो हजार करोड़ की राशि के विज्ञापन जारी हुए उन विज्ञापनों के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी छवि को महिमा मंडित करने की जो कोषिष की थी वो आज से बंद हो जाएगी।उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में पिछले 20 वर्षों के अंदर आमतौर पर जो चुनाव होता है वह रिवाज के हिसाब से होता है और वह रिवाज कांग्रेस के खिलाफ है भाजपा के पक्ष में हैं।

जालंधर में भीषण हादसा, फ्रिज का कंप्रेसर फटने से परिवार के 6 लोगों की मौत

जालंधर। पंजाब में जालंधर के अवतार नगर में एक घर में 8 अक्टूबर को रविवार देर रात फ्रिज का कंप्रेसर फटने से लगी आग में झुलसने से एक परिवार के 6 सदस्यों की मौत हो गई।

अतिरिक्त पुलिस उप आयुक्त आदित्य ने बताया कि जालंधर में अवतार नगर स्थित गली नंबर 13 में रविवार रात करीब दस बजे एक घर में धमाके के बाद आग लग गई। जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इस घटना में पांच लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी जबकि एक अन्य की उपचार दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मृतकों की पहचान यशपाल घई 70, रुचि घई 40 मंशा 14, दीया 12, अक्षय 10 और इंद्रपाल के रूप में हुई है। आदित्य ने बताया कि पुलिस ने जांच के लिए फोरेंसिक विभाग की टीम को बुलाया है। बताया गया कि इस घटना के वक्त घर की एक बुजुर्ग सदस्य दूसरे कमरे में बैठी थीं। इस बुजुर्ग महिला ने अचानक धमाके की आवाज सुनी और देखा कि घर में आग लग गई है। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और परिवार के सदस्यों को घर के अंदर से बाहर निकला। एडीसीपी आदित्य ने बताया कि मामले की फोरेंसिक टीम के साथ जांच हो रही है। हादसे का शिकार हुए यशपाल घई के भाई राज घई ने बताया कि उनके भाई ने सात महीने पहले ही नया डबल डोर रेफ्रिजरेटर खरीदा था। उसके कंप्रेसर में जोरदार धमाका हुआ और उसके बाद घर में आग लग गई। घर के अंदर बैठे उनके भाई जिनकी उम्र करीब 65 साल थी उनके बेटे, बहू और दो बेटियों को घर से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जबकि उनकी बुजुर्ग भाभी घर के बाहर बैठी थीं वह सुरक्षित हैं।

पड़ोसियों के मुताबिक घर के अंदर से कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं और जल्द ही पूरा घर आग की लपटों में घिर गयाए जिसके बाद दमकल गाड़ियों और पुलिस अधिकारियों की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

इटावा में दो सगी बहनों की हत्या,बड़ी बहन निकली कातिल

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के बलरई इलाके के बहादुरपुर में दो बहनों की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है।इटावा के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह ने दो सगी बहनों की हत्या का खुलासा कर बड़ी बहन की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में रविवार शाम आरोपी बड़ी बहन को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त किया गया फावड़ा और अन्य सामग्री बरामद कर ली गई है।

हत्यारोपी बड़ी बहन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। करीब 10 घंटे की पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद बड़ी बहन ने जुर्म स्वीकार किया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी जोन कानपुर प्रशांत कुमार और फोरेंसिक टीम ने मामले की छानबीन की थी।पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह ने बताया कि अंजलि 19 को उसके प्रेमी से मिलते देख दोनों छोटी बहनों रोशनी 7 और शिल्पी 5 ने इसकी शिकायत माता पिता से कर दी थी। इसी गुस्से में अंजलि ने अपनी दोनों छोटी बहनों की हत्या घर के ही एक अलग कमरे में फावड़े से कर दी थी।हत्या को अंजाम देने के बाद उसने सबूत मिटाने के लिए अपने कपड़े और फावड़े को धो दिया था। कानपुर से आई फॉरेंसिक टीम और इटावा की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से साक्ष्य जुटाकर युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा है कि वह इस मामले में प्रभावी पैरवी करते हुए जल्द से जल्द आरोपी युवती को सजा दिलाने का कार्य करेगी। दो सगी बहनों की हत्या की वारदात को लेकर के कानपुर जोन के आईजी प्रशांत कुमार सिंह जहां मौके पर पहुंचे और उन्होंने फॉरेंसिक टीम के साथ कई घंटे तक विभिन्न स्तर पर इस पूरी घटना को लेकर के सिलसिले बार ढंग से पड़ताल की।अंजलि के इस कृत्य की पिता जयवीर सिंह और उनकी मां सुशीला को कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि घटना के समय वह दोनों अपने खेत खलियान पर काम कर रहे थे।

फोन टैपिंग मामले में गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को फिर नोटिस

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को फोन टैपिंग मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा से फिर नोटिस मिला है। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगते ही शर्मा को यह नोटिस मिला है और उन्हें इस मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे नई दिल्ली के रोहिणी स्थित दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के दफ्तर बुलाया गया है। शर्मा से मामले में दिल्ली पुलिस अपराध अब तक चार बार पूछताछ कर चुकी है। उनसे इससे पहले गत 20 मार्च को लगभग नौ घंटे पूछताछ हुई थी। उल्लेखीय है कि 11 अक्टूबर को दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई होनी है। मार्च 2021 में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने फोन टैपिंग का आरोप लगाते हुए शर्मा के खिलाफ दिल्ली में मामला दर्ज कराया था।हाल में शर्मा को कांग्रेस सेंट्रल वार रूम का को.चेयरमैन बनाया गया है। प्रदेशभर में चुनावी कैम्पेन की जिम्मेदारी के साथ शर्मा बीकानेर से विधानसभा चुनव के लिए टिकट भी मांग रहे हैं। शर्मा राज्य के शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला की सीट से अपनी दावेदारी जता रहे हैं।

आचार संहिता लगने से पहले मुख्यमंत्री गहलोत ने फिर खोली राहत की पोटली

7 वृहद जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 21613 करोड़ रूपए समेत विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले रविवार को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सात वृहद जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 21613 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव, जल जीवन मिशन के तहत विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 476.36 करोड़ रूपए के कार्य स्वीकृत करने के साथ रोडवेज का मासिक पास बनाने पर महिलाओं को किराये में 90 प्रतिशत की छूट सहित विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है। गहलोत ने राज्य में अन्तिम व्यक्ति तक पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सात वृहद जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 21613 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार इन सात पेयजल परियोजनाओं के द्वारा प्रदेश के 463580 घरों में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन दिए जा सकेंगे।

कालीतीर परियोजना के तहत 709.41 करोड़ रूपए की लागत से धौलपुर एवं भरतपुर जिलों के 470 गांवों में चम्बल नदी का पानी पहुंचाकर पेयजल कनेक्शन दिए जा सकेंगे। साथ ही अलवर एवं भरतपुर जिलों के 1237 गांवों को 5374.15 करोड़ रूपए की लागत से वृहद पेयजल परियोजना के तहत चम्बल नदी के पानी के द्वारा पेयजल आपूर्ति की जा सकेगी।इसके अतिरिक्त 3990.08 करोड़ रूपए की लागत से करौली एवं सवाई माधोपुर जिलों के 1426 गांवों को वृहद पेयजल परियोजना के तहत चम्बल नदी के पानी से पेयजल आपूर्ति की जा सकेगी। जाखम बांध के द्वारा चित्तौडगढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद एवं उदयपुर जिलों के 1473 गांवों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए 3529.90 करोड़ रूपए का प्रावधान भी प्रस्ताव में किया गया है।

इसके अलावा इंदिरा गांधी नहर परियोजना के तहत राजीव गांधी लिफ्ट कैनाल द्वारा फ्लौदी जिले के लोहावट एवं देंचू के 79 गांवों एवं 325 ढाणियां को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 229.73 करोड़ रूपए का प्रावधान प्रस्ताव में किया गया है। सीकर एवं झुन्झुनूं जिलों के इंदिरा गांधी नहर परियोजना से अब तक नहीं जुड़े गांवों को वृहद जल परियोजना द्वारा पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 7583.15 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त इंदिरा गांधी नहर परियोजना के तहत जायल मातासुख परियोजना में नागौर जिले के 123 गांवों एवं 244 ढाणियों को पेयजल कनेक्शन देने के लिए 196.68 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी गई है। इन वृहद जलापूर्ति परियोजनाओं का क्रियान्वयन एवं वित्त पोषण राजस्थान वाटर सप्लाई एवं सीवरेज निगम द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से प्रदेश के वृहद भाग में आमजन को सुगमता से पेयजल उपलब्ध हो पाएगा। इससे भौगोलिक परिस्थितियों एवं अन्य कारणों के कारण पेयजल आपूर्ति की समस्याओं से ग्रसित क्षेत्रों में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य संबंधी एवं अन्य समस्याओं का स्थायी समाधान हो सकेगा। गहलोत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल जीवन मिशन के तहत राज्यांश से 476.36 करोड़ रूपए के कार्यों की स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री की इस मंजूरी से जयपुर ग्रामीण, सिरोही, उदयपुर, कोटपूतली.बहरोड़, बारां, धौलपुर, फ्लौदी, अलवर, डीग, गंगापुर सिटी, भरतपुर सहित विभिन्न जिलों में आमजन को कार्यात्मक घरेलु नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए जल स्रोतों का विकासए ट्रांसमिशन पाइपलाइन, पम्पहाउस, एलिवेटेड स्टोरेज टेंक, जलाशयों एवं अन्य जल संग्रहण एवं भंडारण निकायों के निर्माण सहित विभिन्न कार्य किए जा सकेंगे। इन कार्यों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले राज्यांश का वहन राजस्थान वाटर सप्लाई एवं सीवरेज निगम द्वारा किया जाएगा। इससे इन क्षेत्रों में आमजन की पेयजल संबंधी समस्याएं दूर होंगी एवं उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा।राजस्थान में सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को रोडवेज का मासिक पास बनवाने पर अब किराये में 90 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस

आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। उन्होंने हाल में इस सम्बन्ध में घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से अब रोडवेज का मासिक पास बनवाने वाली बालिकाओं एवं महिलाओं को किराये की केवल 10 प्रतिशत राशि ही वहन करनी होगी। यह छूट राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की साधारण एवं द्रुतगामी बसों में राजस्थान राज्य की सीमा में देय होगी।

वर्तमान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों को लगभग 1.61 लाख मासिक यात्रा पास जारी किए गए हैं। ये पास किराये की राशि में 45 प्रतिशत की छूट देकर जारी किए जाते हैं। अब महिलाओं एवं बालिकाओं को 90 प्रतिशत की छूट दिए जाने से इनके पासों की संख्या में दोगुनी से भी अधिक वृद्धि होने की संभावना है।

इसी तरह गहलोत ने जोधपुर स्थित संक्रामक रोग संस्थान को उच्च स्तरीय अनुसंधान केन्द्र में विकसित करने के द्वितीय फेज में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 3 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्ताव के अनुसार तीन करोड़ रुपए की लागत से संस्थान में प्रशासनिक खंड, नवीन सेन्ट्रल ड्रग स्टोर, पीडियाट्रिक क्यूबीकल हेतु सेन्ट्रल ऑक्सीजन पाईप लाईन तथा लिफ्ट का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही संस्थान में पीपीपी मोड पर 128 स्लाइस सीटी मशीन भी स्थापित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा बजट में इस केन्द्र को उच्च स्तरीय अनुसंधान केन्द्र में विकसित करने की घोषणा की गई थी जिसकी क्रियान्विति में उक्त स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न राजकीय भवनों का नामकरण प्रदेश के दिवंगत स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर करने के सम्बन्ध में इस हेतु गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया है। गहलोत के इस अनुमोदन के बाद अब इन भवनों के नामकरण प्रस्तावों की स्वीकृति जारी की जा सकेगी।

शिक्षा मंत्री बुलाकीदास कल्ला की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से राजकीय भवनों का नामकरण किये जाने के सम्बन्ध में जैसलमेर, डीडवाना,कुचामन एवं डूंगरपुर जिला कलक्टर से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार विमर्श कर विभिन्न नामकरण प्रस्तावों की अभिशंषा की गई है। इनमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पोकरण का नामकरण श्री गोविन्द सिंह पडिहार के नाम पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भीडासरी, तहसील लाडनू का नामकरण श्री लादूराम सोहू के नाम पर तथा राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय सागवाड़ा का नामकरण श्री छगनलाल सिंघवी के नाम पर करने का प्रस्ताव शामिल है।गहलोत ने विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए 1.27 करोड़ रुपए का बजट उपलब्ध करवाए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए 90 लाख रुपए एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए 37.50 लाख रुपए उपलब्ध कराए जाने की मंजूरी दी है। गहलोत द्वारा दी गई स्वीकृति से राष्ट्रीय स्तर की छह प्रतियोगिताओं के लिए प्रति खेल प्रतियोगिता 15 लाख रुपये तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए 75 आयोजन स्थलों हेतु 50-50 हजार रुपए की राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। इस राशि से खेलकूद प्रतियोगिताओं का बेहतर आयोजन सुनिश्चित हो पाएगा।

उल्लेखनीय है कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा सत्र 2023-24 के लिए राष्ट्रीय स्तर की 6 खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबानी राजस्थान को दी गई है। नेशनल टैलेंट सर्च एग्जाम की तर्ज पर प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों के लिए राजस्थान टैलेंट सर्च एग्जाम का आयोजन होगा। इसमें चयनित 10 हजार विद्यार्थियों को कक्षा 11 व 12 में प्रतिमाह 1250 और स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए प्रतिमाह 2000 रुपए की छात्रवृति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।इस परीक्षा के लिए कक्षा 10वीं में पहली बार प्रविष्ठ हो रहे विद्यार्थी पात्र होंगे। परीक्षा हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में होगी। परीक्षा के लिए नोडल एजेंसी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर को बनाया गया है। परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होंगे। पहला मानसिक योग्यता परीक्षा और दूसरा शैक्षिक योग्यता परीक्षा का होगा। इसमें विद्यार्थी निःशुल्क आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में क्रमोन्नत करने, नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने एवं आवश्यक पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। गहलोत ने प्रदेश के उप स्वास्थ्य केन्द्र थोबावाडा, पंचायत समिति झाडोल उदयपुर, उप स्वास्थ केन्द्र बंसत एवं दुजाना पंचायत समिति सुमेरपुर,उप स्वास्थ्य केन्द्र रैयाटूण्डा पंचायत समिति तारानगर चूरू, ग्राम जसवंतगढ़ पंचायत समिति गोगुन्दा, ग्राम ढीमडी पंचायत समिति झाडोल उदयपुर, ग्राम मुआना पंचायत समिति नावां नागौर एवं ग्राम भादवा पंचायत समिति सांभर जयपुर, उप स्वास्थ्य केन्द्र परौआ पंचायत समिति सैपऊ, धौलपुर तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र बुचकला पंचायत समिति पीपाड़शहर, जोधपुर को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जाएगा।साथ ही प्रत्येक केन्द्र पर नर्स श्रेणी द्वितीय एवं वार्ड ब्वॉय के दो-दो चिकित्साधिकारी महिला स्वास्थ्य दर्शिका फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन सफाई कर्मचारी का एक-एक पद कुल 90 पद सृजित किए जाएंगे। गहलोत ने कार्ययोजना के सुचारू व प्रभावी संचालन के लिए प्रदेश के चार नवीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में 32 अतिरिक्त पदों के सृजन को मंजूरी दी है। गहलोत की इस स्वीकृति से झुंझुनूं के पिलानी, जोधपुर के मण्डोर भरतपुर के उच्चैन तथा नागौर के नावां में स्थापित नवीन पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में नवीन पद सृजित होंगे।प्रत्येक महाविद्यालय में प्रवक्ता के 4 टैक्निशियन के 2ए वरिष्ठ सहायक तथा कनिष्ठ सहायक के 1-1 पद सहित कुल 8 अतिरिक्त पद शामिल हैं। इससे योजना के संचालन संबंधी विभिन्न कार्य सुचारू रूप से हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी इन 4 महाविद्यालयों के लिए 156 पदों की सहमति प्रदान की जा चुकी है।

लैब टेक्नीशियन एवं रेडियोग्राफर संवर्ग के कर्मचारियों को अब 2250 रुपये के स्थान पर 2750 प्रतिमाह रुपये वर्दी भत्ता मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस सम्बन्ध में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। श्री गहलोत की इस स्वीकृति से लैब टेक्नीशियन एवं रेडियोग्राफर संवर्ग के कर्मचारियों को भी नर्सिंग कर्मचारियों के समान वर्दी भत्ता मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि खेमराज चौधरी की अध्यक्षता में गठित कर्मचारी वेतन विसंगति समिति द्वारा की गई सिफारिशों के क्रम में नर्सिंग स्टाफको वर्दी भत्ते के लिए दी जाने वाली राशि को 2250 रुपए से बढ़ाकर 2750 रुपए प्रतिमाह किया गया है। लेकिन समिति द्वारा लैब टेक्नीशियन एवं रेडियोग्राफर संवर्ग के कर्मचारियों के संबंध में अलग से कोई सिफारिश नहीं की गई। जबकि पूर्व में इन्हें नर्सिंग कर्मियों के समान ही 2250 रुपए वर्दी भत्ता देय था। ऐसे में मुख्यमंत्री ने संवेदनशील निर्णय करते हुए वर्दी भत्ते की राशि नर्सिंग कर्मचारियों के समान किए जाने की स्वीकृति दी है।

गहलोत ने मंगलेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट मण्डोर जोधपुर में 30 बेड वाले शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ट्रोमा सेंटर खोले जाने की मंजूरी दी है। साथ ही इसके संचालन के लिए 38 नवीन पदों के सृजन की भी स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत की इस स्वीकृति से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 22 एवं ट्रोमा सेंटर के लिए 16 नवीन पदों का सृजन होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए कनिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्साधिकारी एवं सफाई कर्मचारी के 2-2 वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, नर्स प्रथम श्रेणीए फार्मासिस्ट, सहायक रेडियोग्राफर, लैब टेक्नीशियन एवं कनिष्ठध्वरिष्ठ सहायक के 1-1 नर्स द्वितीय श्रेणी के 6 तथा वार्ड ब्वॉय के 4 पद सृजित किये जाएंगे।इसी प्रकारए ट्रोमा सेंटर के लिए कनिष्ठ विशेषज्ञ ;सर्जरी का 1 चिकित्सा अधिकारी स्नातकोत्तर ;सर्जरी के 2 चिकित्सा अधिकारी स्नातकोत्तर ;हड्डी के 3 तथा नर्स द्वितीय श्रेणी के 10 पद सृजित किए जाएंगे। ख्यमंत्री ने संस्थान के निर्माण तथा मशीनरी एवं उपकरण आदि के लिए 6.07 करोड़ की राशि का व्यय उपलब्ध बजट बजट प्रावधान से किये जाने की भी स्वीकृति दी है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 11 संस्कृत विद्यालयों को क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी है। इन विद्यालयों में से 6 विद्यालयों को प्रवेशिका से वरिष्ठ उपाध्याय स्तरए 3 विद्यालयों को उच्च प्राथमिक स्तर से वरिष्ठ उपाध्याय स्तर एवं 2 विद्यालयों को प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर पर क्रमोन्नत किया जाएगा।प्रवेशिका से वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर क्रमोन्नत विद्यालयों में राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय उदाणियों की ढाणी, बाड़मेर, राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय अतां बारां ,राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय राजपुरा, उस्ता बस्सी, जयपुर राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय भांवरा सवाई माधोपुर, राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय फत्तेहपुर, सीकर एवं राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय बामला बारां शामिल हैं।

इसी तरह उच्च प्राथमिक से वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर क्रमोन्नत विद्यालयों में राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय हनुमान नगर भेलू, बीकानेर, राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय माण्डल देवा, नागौर एवं राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय सारगिया, नाड़ी बस्ती, जालौर तथा प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर पर क्रमोन्नत विद्यालयों में राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालय मोटलजी का बास, बिराई, जोधपुर एवं राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, उपली कातर, उदयपुर शामिल है।

प्रदेश में साइबर क्राइम की चुनौतियों पर लगाम लगाने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा हैकाथॉन कराया जाएगा। श्री गहलोत ने हैकाथॉन के लिए 1.98 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसमें देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी, स्टार्ट.अप्स और प्रोफेशनल्स अन्य टैक्नोलॉजी का उपयोग करके साइबर सुरक्षा के लिए मजबूत, सुरक्षित और प्रभावी तकनीकी समाधान ढूंढने के लिए हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में देशभर से 200 से अधिक टीमें भाग लेंगी। हैकाथॉन में विभिन्न विषयों पर सत्र और एक्सपो भी प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री ने जयपुर के विद्याधर नगर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय ;अंग्रेजी माध्यम को मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए 2.01 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार विद्यालय में 9 कक्षा कक्षों 5 प्रयोगशाला मय उपकरण और 1 पुस्तकालय कक्ष का निर्माण कराया जाएगा। इससे पूर्व भी मुख्यमंत्री द्वारा विद्यालय संचालन के लिए 28 नवीन पद सृजित करने की मंजूरी दी गई थी।गहलोत ने इसी क्रम में 28 विद्यालयों में नवीन संकाय खोलकर 114 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। श्री गहलोत ने 3 विद्यालयों में विज्ञान संकाय खोले जाने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की है। साथ हीए इनमें स्कूल व्याख्याता एवं प्रयोगशाला सहायक के 9.9 पद सृजित करने की मंजूरी दी है। इसी प्रकार मानदण्ड पूरे करने वाले 5 विद्यालयों तथा शिथिलन प्रदान किये गए 20 विद्यालयों में अतिरिक्त संकाय खोले जाने की स्वीकृति देते हुए इनमें व्याख्याता स्कूल शिक्षा के 74 एवं प्रयोगशाला सहायक के 22 पद सृजित किए जाने की भी मंजूरी दी है।

राजा दाहिर नाटक के मंचन में झलकी सिंध की शौर्य गाथा दर्शकों की आंखे हुई नम

अजमेर। कला एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती अजयमेरु उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज तथा सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल के सौजन्य से 7 अक्टूबर की शाम को आयाम संस्था जयपुर ने राजा दाहिर नाटक का मंचन किया।

सातवीं शताब्दी में सिंध में हुए घटनाक्रम पर उदयशंकर भट्ट द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन रंगकर्मी संदीप लेले ने किया। सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल के शानदार सभागार में मंचित इस नाटक को देखने के लिए बडी संख्या में नाट्य प्रेमी पहुंचे। रह रहकर गूंजती तालियों की गड़गड़ाहट ने कलाकारों का हौसला बढाया। तत्कालीन घटनाक्रम में 24 कलाकारों सिंध की गाथा सिंध के शौर्य राजा दाहिर के बलिदान को मंचन के जरिए जीवंत कर दिया। राजा दाहिर के सिंध की राजगद्दी पर आरुढ होने से पहले सिंध को छह बार अरबों का आक्रमण झेलना पडा। लेकिन अरबों को सिंध में हर बार हार का मुंह देखना पडा।

सातवीं बार अपने ही लोगों की तरफसे किए गए विश्वासघात के कारण सिंध के राजा दाहिर का बलिदान हुआ। उनकी पत्नी ने वीरागंनाओं के साथ जौहर किया। बाद में उनकी दोनों पुत्रियों ने खलीफा से बदला लेते हुए प्राणों की आहुति दी।अपने राष्ट्र के लिए पूरे परिवार का यह बलिदान दर्शकों को भावुक कर गया। करीब डेढ घंटे की अवधि के नाटय मंचन के दौरान दर्शकों ने राजा दाहिर के शौर्य, साहस, त्याग, बलिदान को महसूस किया। राजा दाहिर की पत्नी और पुत्रियों की वीरता और आखिर में बलिदान के दृश्यों को देख दर्शकों की आंखे नम हो गई। दर्शकों ने भी इस बात पर मूक सहमति जताई कि वह मुल्क अभागा है जहां बागी पैदा होते हैं। राजा दाहिर का बलिदान बागियों और विश्वासघातियों के कारण हुआ।इससे पहले आगंतुक अतिथियों शिक्षाविद मधुर मोहन रंगा, सतगुरु इंटरीनेशनल के डायरेक्टर राजा थारानी, साहित्यकार डा कमला गोकलानी, संस्कार भारती के अखिल भारतीय संगीत कला विद्या संयोजक डॉ प्रकाश सिज्ञानी ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया।संस्था अध्यक्ष मधुलिका नाग ने आभार जताया। मंच संचालन महासचिव कृष्णगोपाल पाराशर ने किया। इस मौके पर संयोजक महेन्द्र जैन, श्याम बिहारी शर्मा, मोहन खंडेलवाल, हरीश शर्मा डॉ तिलकराज, विनीत लोहिया, दिलीप पारीक समेत बडी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सिंधी नाटक तहकीक़ी अभ्यास भाग प्रथम पुस्तक का विमोचन

इस मौके पर सुरेश बबलानी की नई पुस्तक सिंधी नाटक तहकीक़ी अभ्यास भाग प्रथम का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में विश्वभर में सिंधी नाटक का इतिहास जो नाटक प्रकाशित हुए हैं उसको उल्लेखित किया गया है। सिंधी नाटक 1880 से लेकर के प्रारंभ होते हैं और इस प्रथम भाग में 1880 से लेकर के 2000 तक का इतिहास संकलित करके समीक्षा के साथ प्रस्तुत किया गया है।

अजमेर डेयरी में आईजीएल गैस पाइप लाइन का उद्घाटन

भाग्यशाली रहे धर्मेन्द्र राठौड़ आचार संहिता लगने से पहले काटा फीता

अजमेर। आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ चुनाव आचार संहिता लगने से ऐन पहले अजमेर डेयरी में बतौर मुख्य अतिथि फीता काट कर आईजीएल गैस पाइप लाइन का उद्घाटन किया। विलंब हो जाता तो आचार संहिता लागू हो जाने के कारण समारोह जस का तस थम जाता।

सोमवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राठौड़ ने अजमेर डेयरी के दूध, पनीर, घी व आइसक्रीम समेत अन्य उत्पादों की सराहना की। राठौड़ ने कहा कि अजमेर डेयरी ने अपने गुणवत्तापूर्ण उत्पादों व पशुपालकों के हितों के लिए बेहतर काम कर देश में नाम रोशन किया है।समारोह की अध्यक्षता करते हुए डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने कहा कि मदर डेयरी नई दिल्ली के पश्चात आईजीएल गैस पाईप लाईन प्रारम्भ करने वाली उत्तरी भारत की दूसरी संस्था तथा राजस्थान के समस्त दुग्ध संघों में अजमेर डेयरी प्रथम डेयरी हो गई।अजमेर डेयरी में पहुंचने पर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी व संचालक मंडल के सदस्यों ने आरटीडीसी चेयरमैन राठौड़ का स्वागत किया। इस मौके पर डेयरी एमडी मदन लाल, रूपचंद नुवाद, दिनेश सिंह राठौड़, लादूराम चौधरी रामपाल गुर्जर व गीता देवी आदि मौजूद रहे।

इजराइली यहूदियों के धार्मिक स्थल खबाद हाऊस की बढाई सुरक्षा

अजमेर। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध के मद्देनजर राजस्थान के अजमेर में तीर्थराज पुष्कर स्थित इजराइली यहूदियों के धार्मिक स्थल खबाद हाऊस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्राप्त जानकारी के इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के बाद पुष्कर के खबाद हाऊस पर अजमेर प्रशासन.पुलिस प्रशासन की खास नजर है और अजमेर पुलिस की स्पेशल टीम जहां सादी वर्दी में निगरानी कर रहे हैं वहीं मेवाड़.भील कोर के सशस्त्र जवानों को तैनात किया गया है। पुष्कर में डेरा डाल कर खबाद हाऊस में प्रार्थना में मशगूल रहने वाले इजरायली पर्यटकों ने पुष्कर से अपने देश की ओर रवानगी लेनी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर के खबाद हाऊस पूरे साल पुलिस के पहरे में रहता आया है लेकिन युद्ध के मद्देनजर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

अजमेर में साध्वी अनादि सरस्वती ने पेश की भाजपा से टिकट की दावेदारी

अजमेर। अमर शहीद हेमू कालाणी की वंशज ममता कालाणी वर्तमान में संन्यासी परम्परा को संत स्वरूप में आगे बढ़ाने वाली साध्वी अनादि सरस्वती ने स्वयं को शहीद परिवार से बताते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट के लिए दावेदारी पेश की है।अजमेर की रहने वाली साध्वी अनादी सरस्वती ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वे अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा का टिकिट लेकर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तर्ज पर समाज सेवा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैं हेमू कालाणी परिवार से हूं जिसने आजादी के आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण में महत्ति भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। अमर शहीद हेमू कालाणी की वंशावली मीडिया के समक्ष पेश करते उन्होंने कहा कि वंशावली की पोथी हरिद्वार में उपलब्ध है कोई भी देख सकता है। उन्होंने अजमेर उत्तर से भाजपा टिकिट की दावेदारी पेश करते हुए वचन दिया कि टिकिट मिलने पर से अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि की तरह अजमेर के लिए आदर्श बनेगी। वे निर्विवाद रूप से समाज के सभी पक्षों के लिए बिना भेदभाव सेवा का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश से माफियाराज को समाप्त कर स्वच्छ समाज का रास्ता बनाया है। साध्वी ने स्वीकार किया कि संगठन टिकिट नहीं देती है तब भी वे जो जिम्मेदारी मिलेगी उसे पूरा करेंगी और उम्मीदवार का भी पूरा सहयोग करेगी।उन्होंने एक सवाल के जवाब में स्वीकार किया कि योगी आदित्यनाथ से राजनीति में आकर समाजसेवा की प्रेरणा मिली। साध्वी ने स्वीकार किया कि टिकिट के लिए केन्द्रीय नेताओं के अलावा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, स्वामी सुमेधानंद, अलवर सांसद बालक दास से बात हो चुकी है।

मानव अधिकार मिशन अजमेर ईकाई की संगोष्ठी आयोजित

अजमेर। मानव अधिकार मिशन की अजमेर ईकाई की ओर से रविवार को लव कुश गार्डन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान अगले माह मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ महेंद्र शर्मा के आगमन की तैयारी को लेकर विस्तृत रूपरेखा बनाई गई।संगोष्ठी में संगठन को मजबूत करने के लिए तय किया गया कि प्रत्येक पदाधिकारी कम से कम तीन नए सदस्य जोड़े। अजमेर में 7 अक्टूबर को नौसर घाटी में एक अवैध डंपर की टक्कर से तीन नर्सिंग छात्रों के कुचले जाने तथा इस हादसे में दो छात्रों के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की गई। जयपुर रैफर किए गए एक छात्र के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।मानव अधिकार मिशन ने प्रशासन से मांग की है कि नाग पहाड़ी में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए साथ ही विकट मार्ग पर से अतिक्रमण को हटाया जाए। घटना का मुख्य कारण अवैध बजरी खनन है जिसमें भारी वाहन प्रतिबंध रास्ते पर चलते हैं। अवैध रूप से बजरी खनन से जुडे माफियाओं पर भी उचित कार्रवाई हो। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष इंजीनियर बीपी सिंह, उपाध्यक्ष तरुण वर्मा, वीएस नेगी, महिला उपाध्यक्ष एडवोकेट बबीता टांक, प्रोग्राम सेक्रेटरी धन सिंह, मीडिया सेक्रेटरी लोकेश शर्मा, संगठन मंत्री गौरव गुंजन सिंह, जिला संगठन मंत्री सोहन सिंह, वेलफेयर सेक्रेटरी सोहन सिंह भादा, महेंद्र मोहन बारोटिया, प्रशांत पाटीदार आदि मौजूद रहे।

माली समाज के दम पर महेश चौहान ने अजमेर उत्तर से मांगा कांग्रेस से टिकट

अजमेर। अजमेर उत्तर विधानसभा सीट को लेकर कांग्रेस का टिकिट हासिल करने में जहां नामी गिरामी नेता जुटे हैं वहीं महेश चौहान ने मत चूके चौहान वाली तर्ज पर जयपुर में आला नेताओं के समक्ष अपनी जाजम बिछाने में कोई कसर बाकी नही छोडी है। चौहान माली समाज के वोट बैंक के बूते जीत के समीकरण से कांग्रेस की चुनावी वैतरणी पार करने का दावा कर रहे हैं। राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर जयपुर में राजस्थान चुनाव के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा से सीधे कांग्रेस वार रूम में मुलाकात की। माली समाज के प्रतिनिधियों का तर्क था कि 29 विधानसभा क्षेत्रों में संख्याबल होने के बावजूद भी माली सैनी समाज को कभी प्रतिनिधित्व नहीं मिला।

गत कई दिनों से विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में माली सैनी समाज वृहद रूप से प्रदर्शन कर रहा है। समाज ने प्रशासन के माध्यम से प्रदेश की सरकार को अपनी समस्याओं से अवगत कराया।राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा को युवाओं और महिलाओं दोनों की भागीदारी प्रदेश के राजनीति में नगण्य नजर आ रही है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी के नेतृत्व में संस्था के कई पदाधिकारियों ने हाईकमान से भेंट की तथा प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में माली सैनी समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग भी उठाई। चुनाव प्रभारी रंधावा ने मी समाज के प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि उनकी मांग पर गौर फ़रमाया जाएगा।इस अवसर पर माली सैनी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश चौहान ने अजमेर की सह प्रभारी अमृता धवन से भी मुलाकात की। उन्होंने अजमेर उत्तर से उन्हें अथवा महिला प्रतिनिधित्व के रूप में ममता चौहान को टिकट देने का मांग रखी। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल को जीवंत स्वरूप में इस चुनाव में लागू करने के लिए कांग्रेस कटिबद्ध। इससे हर जिले में दो महिलाओं को प्रतिनिधित्व को करने का अवसर प्राप्त हो सकता है।इस चुनाव में सैनी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेश चौहान अथवा उनकी पुत्रवधू ममता चौहान को अजमेर उत्तर से प्रत्याशी बनाने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने आश्वासन दिलाया कि उन्हें प्रत्याशी बनने पर सभी विधानसभा में माली.सैनी समाज के लोगों का कांग्रेस के प्रति झुकाव बना रहेगा और ओबीसी वोट बैंक में इजाफ़ा होगा।इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी, महामंत्री संगठन मनोज अजमेरा, उपाध्यक्ष महेश चौहान, कोषाध्यक्ष सागर महावरए गुलाब चंद इंदौरा लोकेश सैनी सहित अन्य गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर
कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277